भारत भूमि | By Neeraj Patel |

घनना घनना घन गरजे बादल
माटी तेरी भिगाते रहें
हे भारत तेरे खेतों में
फसलें यूँ ही लहराती रहें।

हे भारत भूमि हे मातरम्
हे जन्मभूमि हे मातरम्
है वंदनी तू मातरम्
हे कल्पनी तू मातरम्
वो माँ तुझे नमन।

हवा में तेरी ही मैं जिया हूँ
मिट्टी से तेरी खाना लिया हूँ
गगन ही तेरा मेरा बिछौना
पानी से तेरी तृप्ति किया हूँ
मेरा हर पल तुझको है अर्पण
वो माँ तुझे नमन।

मिट्टी में तेरी अजब सी खुशबू
जी करता है तन पे लपेटूँ
जाऊँ जब दुनिया से विदा मैं
तेरी ही ममता के आँचल में पाऊँ
तुझ पर लुटा दूँ मेरा ये जीवन
वो माँ तुझे नमन।

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ad%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%a4-%e0%a4%ad%e0%a5%82%e0%a4%ae%e0%a4%bf-by-neeraj-patel-2/